न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
NUCLEAR POWER CORPORATION OF INDIA LIMITED
(भारत सरकार का उद्यम A Government of India Enterprise)
निगम योजना एवं निगम संचार
(Corporate Planning & Corporate Communications)

Goa Science Centre celebrates Science; throws in 3 major opportunities to NPCIL to reach out to its students and citizens

For those who associate Goa with sea and sand alone, here's the antithesis. Goa is equally a science-loving state and this was demonstrated in ample measure during the recently concluded Science Fiesta-2018 organized to celebrate National Science Day from Feb 26-28, 2018 that evoked participation from around 15 scientific and research organizations, one of which was NPCIL. A collaborative outreach programme was consummated with KGS resource-persons actively participating in organizing and manning the exhibition, conducting quiz competition and delivering the Scientific Lecture at Goa Science Centre. KGS also sponsored prizes for the Quiz. The target audiences spared no opportunity to engage with NPCIL during the various occasions they were let in.

Working model of nuclear plant at the Exhibition drew swarms of visitors who interacted with the resource-persons, raising questions, expressing concerns and resetting their notions on atomic power. Students of around 20 institutions participated in the Nuclear Quiz and developed conceptual clarity, discovering their strengths and vulnerabilities in Nuclear Science. Post the presentation made by CP&CC representative during the "Meet the Scientist" event, over 15 questions ranging from cost of nuclear power to risk of explosion in nuclear reactors were raised and the resource-persons had a challenging, but satisfying time in relieving the inner turmoil gripping the questioners.

We discovered that like the present generation, even FAQs on nuclear power are rapidly changing and evolving with time. "Can we have pint-sized nuclear reactors in our homes, just like we have TVs and refrigerators?" was one such question innocently thrown at us. Needless to say, resource-persons interacting with public need to be always on their toes, be fully updated and continually hone their inter-personal interaction skills. Very often it turns out that-thanks to the easy access of knowledge- the inquirers already have the answer, but are testing our confidence in what we are saying. It is this confidence that converts them to allies of nuclear power. So, how we respond makes all the difference here.

S.Sharma-CP&CC/ M.Seshaiah,TS, KGS
Nagaraj M. Nayak- KGS 3&4
Prashant Nayak- E&US KGS 1-4

गोवा विज्ञान केंद्र में विज्ञान महोत्सव, अपने विद्यार्थियों व नागरिकों से संपर्क साधने के लिए एनपीसीआईएल को दिए 3 बड़े अवसर

जो लोग गोवा को सिर्फ समन्दर और रेत के लिए जानते हैं उनके लिएएक नई खबर है। गोवा एक ऐसा राज्य है जो विज्ञान में भी उतनी ही दिलचस्पी लेता है और 26 से 28 फरवरी, 2018 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के लिए आयोजित एवं हाल ही में संपन्न हुए विज्ञान महोत्सव -2018 के दौरान व्यापक रूप से इसका जीता-जागता उदाहरण देखने को मिला, जहॉ एनपीसीआईएल सहित लगभग 15 वैज्ञानिक व अनुसंधान संगठनों ने हिस्सा लिया। गोवा विज्ञान केंद्र में प्रदर्शनी के आयोजन व प्रबंधन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के आयोजन तथा वैज्ञानिक वार्ताओं के आयोजन में केजीएस के स्रोत-कार्मिकों की सक्रिय भागीदारी ने सहयोगपूर्ण जनसंपर्क कार्यक्रम को पूर्णता प्रदान की। केजीएस ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए पुरस्कारों का प्रायोजन भी किया। लक्षित श्रोता वर्ग को जब भी अलग-अलग मौके मिले उन्होंने एनपीसीआईएल से वार्तालाप का कोई अवसर नहीं गवाया।

प्रदर्शनी में न्यूक्लियर संयंत्रों के वर्किंग मॉडल नेमुलाकातियों के हुजूम को अपनी ओर खींचा जिन्होंने स्रोत-व्यक्तियों के साथ परमाणु ऊर्जा के विषय पर चर्चा की, सवाल किए, फिक्र ज़ाहिर कीऔर अपने विचारों को बार-बार उजागर किया। लगभग 20 संस्थानों के विद्यार्थियों ने न्यूक्लियर प्रश्नोत्तरी में हिस्सा लिया और न्यूक्ल्यिर विज्ञान में मजबूतियों और नाजुकताओं को खोजते हुए अपनी संकल्पनात्मक स्पष्टता विकसित की। ''वैज्ञानिक से मिलें'' कार्यक्रम के दौरान सीपी एवं सीसी के प्रतिनिधि द्वारा दिए गए प्रेजेंटेशन के पश्चात 15 से अधिक प्रश्न पूछे गए जो न्यूक्लियर विद्युत की लागत से लेकर न्यूक्लियर रिएक्टरों में विस्फोट तक से संबंधित थे, तथा स्रोत-कार्मिकों के सामने चुनौतिपूर्ण परंतु पर्याप्त समय था कि वे प्रश्नकर्ताओं के दिल-ओ-दिमाग में चल रही कशमकश को दूर कर सकें।

हमने पाया कि वर्तमान पीढ़ी की तरह न्यूक्लियर विद्युत पर एफ.ए.क्यू. भी समय के साथ-साथ बहुत तेजी से बदल और पनप रहे हैं। "क्या हम अपने घरों में छोटे आकार के न्यूक्लियर रिएक्टर रख सकते हैं, जैसे कि टीवी एवं रेफ्रीजिरेटर ?'' एक ऐसा ही प्रश्न था जो हमसे पूछा गया। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि जनता से बात-चीत कर रहे स्रोत-व्यक्तियों को हमेशा चौकन्ना, पूर्णत: अवगत रहना चाहिए और अपनी अंतर-वैयक्तिक पारस्परिक कुशलता को लगातार प्रखर करते रहना चाहिए। प्राय: यह इस प्रकार होता है कि सरलता से सूचना उपलब्ध कराने के लिए आभार- प्रश्नकर्ता के पास पहले से उत्तर है, परंतु वह हमारा आत्म-विश्वास परख रहा है कि हम क्या कह रहे हैं। यह आत्म-विश्वास ही है जो उन्हें न्यूक्लियर ऊर्जा का समर्थक बना देता है। अत:, हम कैसे उत्तर देते हैं इसी पर सब कुछ टिका होता है।

एस शर्मा- सीपी एवं सीसी/ एम शेशैयाह, टी एस, केजीएस
नागराज एम नायक- केजीएस 3 व 4
प्रशांत नायक- ई एवं यू एस- केजीएस 1-4

NPCIL's DISPLAY AND EXHIBITS, RESOURCE-PERSONS AT THE VENUE

MEET THE SCIENTIST LECTURE ON "NUCLEAR PLANTS & RADIATION"

Quiz being administered and Spot-Prizes being given